भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2829

दिनांक 10 मार्च, 2026 के लिए प्रश्न

पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम

2829. श्री बैजयंत पांडाः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रमों के अंतर्गत टीकाकृत पशुओं के टीकाकरण के बाद के प्रभाव का कोई मूल्यांकन या रोग-घटना की समीक्षा की गई है और यदि हां, तो उसके मुख्य निष्कर्षों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) सरकार द्वारा टीकाकरण की अंतिम छोर तक पहुंच और इसकी निगरानी में सुधार के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख) भारत सरकार का पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान (ICAR-NIVEDI) द्वारा तैयार की गई नमूनाकरण योजना के माध्यम से टीकाकरण के बाद के प्रभाव का आकलन करता है। इस योजना के अनुसार, खुरपका और मुंहपका रोग (FMD) से संबंधित नवीनतम उपलब्ध रिपोर्ट से पता चलता है कि औसत सीरो-कनवर्जन 70% है और वर्ष 2021-23 के दौरान औसत नॉन-स्ट्रक्चरल प्रोटीन (NSP) एंटीबॉडी प्रसार 16% से घटकर 7.8% हो गया है। वर्तमान में, FMD के प्रकोपों की संख्या वर्ष 2019 में 132 से घटकर वर्ष 2025 में 32 हो गई है। इसी प्रकार, ब्रुसेलोसिस और पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR) के प्रकोप भी क्रमशः वर्ष 2019 में 22 से घटकर वर्ष 2025 में 6 और वर्ष 2019 में 98 से घटकर वर्ष 2025 में 29 हो गए हैं।

अंतिम छोर तक टीकाकरण कवरेज और निगरानी में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम नीचे दिए गए हैं:

i. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपनाने के लिए FMD, ब्रुसेलोसिस, PPR और CSF के टीकाकरण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) तैयार की गई है, जिसमें मांग आकलन, सहायक उपकरण/उपभोग्य वस्तुएं, मानव संसाधन और सूक्ष्म योजना, सीरो-निगरानी और प्रकोप प्रबंधन शामिल हैं।

ii. पशुओं के पंजीकरण और कान में टैग लगाने, टीके लगाने और NDLM पर डेटा अपलोड करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अपनाने के लिए परिचालित किया गया है।

iii. राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण FMD, ब्रुसेला, PPR और CSF टीकों की खरीद और आपूर्ति केंद्रीय स्तर पर सुनिश्चित की जाती है।

iv. FMD के लिए टीकाकरण कार्यक्रमों को नियमित गुणवत्ता परीक्षण, सीरो-निगरानी, सीरो-मॉनिटरिंग निरक्षण और नमूनाकरण योजनाओं के साथ सुव्यवस्थित किया गया है।

v. राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को टीकाकरण संबंधी सहायक सामग्री की खरीद, कोल्ड-चेन अवसंरचना को सुदृढ़ करने और हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

vi. सीरो-निगरानी और सीरो-मॉनिटरिंग पर ICAR-NIVEDI के परामर्श से मानक नमूनाकरण योजना तैयार की गई है।

vii. भारत में पशु चिकित्सा अवसंरचना के न्यूनतम मानकों के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अपनाने और आवश्यक कार्रवाई के अनुरोध के साथ सूचित किए गए हैं।

****